CS (Main) Exam, 2020 **वियोज्य DETACHABLE**

हिन्दी (प्रश्न-पत्र II)
(साहित्य)
HINDI (Paper II)
(LITERATURE)

निर्धारित समय : तीन घण्टे *Time Allowed : Three Hours*	*अधिकतम अंक : 250* *Maximum Marks : 250*

प्रश्न-पत्र के लिए विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।

इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो **दो खण्डों** में विभाजित हैं ।

परीक्षार्थी को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं ।

प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं ।

उत्तर **हिन्दी** (देवनागरी लिपि) में ही लिखे जाएंगे ।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए ।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी । यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो । प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए ।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions.

There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS.**

Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.

Question Nos. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in **HINDI** (Devanagari Script).

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

खण्ड 'A' SECTION 'A'

1. निम्नलिखित काव्यांशों की लगभग 150 शब्दों में ऐसी व्याख्या कीजिए कि इसमें निहित काव्य-मर्म भी उद्घाटित हो सके : 10×5=50

1. (a) कबीर प्रेम न चषिया, चषि न लीया साव ।
सूनें घर का पाहुणां, ज्यूं आया त्यूं जाव ॥
कबीर चित चमंकिया, चहुं दिसि लागी लाइ ।
हरि सुमिरण हाथूं घड़ा, बेगे लेहु बुझाइ ॥ 10

1. (b) खेलन सिखए, अलि, भलै चतुर अहेरी मार ।
कानन-चारी नैन-मृग नागर नरनु सिकार ॥
लग्यो सुमनु ह्वै है सफलु, आतप-रोसु निवारि ।
बारी, बारी आपनी सींचि सुहृदता-बारि ॥ 10

1. (c) जिसकी प्रभा के सामने रवि-तेज भी फीका पड़ा,
अध्यात्म-विद्या का यहाँ आलोक फैला था बड़ा!
मानस-कमल सबके यहाँ दिन-रात रहते थे खिले,
मानो सभी जन ईश की ज्योतिश्छटा में थे मिले ॥ 10

1. (d) शोषण की शृंखला के हेतु बनती जो शांति,
युद्ध है, यथार्थ में, व' भीषण अशांति है;
सहना उसे हो मौन, हार मनुजत्व की है,
ईश की अवज्ञा घोर, पौरुष की श्रांति है;
पातक मनुष्य का है, मरण मनुष्यता का,
ऐसी शृंखला में धर्म विप्लव है, क्रांति है । 10

1. (e) अलस अँगड़ाई लेकर मानो जाग उठी थी वीणा :
किलक उठे थे स्वर-शिशु ।
नीरव पद रखता जालिक मायावी
सधे करों से धीरे-धीरे
डाल रहा था जाल हेम तारों का । 10

2. (a) 'कवितावली' में निहित युगीन संदर्भों का सोदाहरण विवेचन कीजिए । 20

2. (b) " 'पद्मावत' में आध्यात्मिक प्रेम की झाँकियाँ विद्यमान हैं ।" इस कथन से आप कहां तक सहमत हैं ? सोदाहरण समझाइए । 15

2. (c) 'मुक्तिबोध अपनी कविता में एक सच्चा-खरा और संघर्षशील संसार रचते हैं ।' इस कथन की समीक्षा कीजिए । 15

3.(a) “‘कुरुक्षेत्र’ एक साधारण मनुष्य का शंकाकुल हृदय है, जो मस्तिष्क के स्तर पर चढ़कर बोल रहा है।” इस कथन की समीक्षा कीजिए। 20

3.(b) ‘प्रसाद मूलतः प्रेम और सौंदर्य के कवि हैं।’ इस कथन के आधार पर ‘कामायनी’ में अभिव्यक्त प्रेम एवं सौंदर्य का स्वरूप स्पष्ट कीजिए। 15

3.(c) ‘सूरदास में जितनी सहृदयता और भावुकता है, प्रायः उतनी चतुरता और वाग्विदग्धता भी है।’ ‘भ्रमरगीत-सार’ के परिप्रेक्ष्य में विवेचना कीजिए। 15

4.(a) कबीरदास के रचना-संसार में निहित समाज-चिंता पर प्रकाश डालिए। 20

4.(b) ‘राम की शक्तिपूजा’ एक पराजित मन और दूसरे अपराजित मन के अस्तित्व की अनुभूति है। इस कथन की व्याख्या करते हुए निराला के काव्य का मूल्यांकन कीजिए। 15

4.(c) नागार्जुन की कविता में प्रकृति वर्णन का विवेचन कीजिए। 15

खण्ड ‘B’ SECTION ‘B’

5. निम्नलिखित गद्यांशों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए और उसका भाव-सौंदर्य प्रतिपादित कीजिए। (प्रत्येक लगभग **150** शब्दों में) 10×5=50

5.(a) इस गतिशील जगत् में परिवर्तन पर आश्चर्य ! परिवर्तन रुका कि महापरिवर्तन — प्रलय हुआ ! परिवर्तन ही सृष्टि है, जीवन है। स्थिर होना मृत्यु है, निश्चेष्ट शांति मरण है। प्रकृति क्रियाशील है। समय पुरुष और स्त्री की गेंद लेकर दोनों हाथ से खेलता है। 10

5.(b) राजनीति साहित्य नहीं है। उसमें एक एक क्षण का महत्त्व है। कभी एक क्षण भी स्खलित हो जाए, तो बड़ा अनिष्ट हो सकता है। राजनीतिक जीवन की धुरी में बने रहने के लिए व्यक्ति को बहुत जागरूक रहना पड़ता है। 10

5.(c) यदि प्रेम स्वप्न है, तो श्रद्धा जागरण है। प्रेम प्रिय को अपने लिए और अपने को प्रिय के लिए संसार से अलग करना चाहता है। प्रेम में केवल दो पक्ष होते हैं और श्रद्धा में तीन। प्रेम में कोई मध्यस्थ नहीं पर श्रद्धा में मध्यस्थ अपेक्षित है। 10

5.(d) मैं प्रेम को संदेह से ऊपर समझती हूँ। वह देह की वस्तु नहीं, आत्मा की वस्तु है। संदेह का वहाँ ज़रा भी स्थान नहीं और हिंसा तो संदेह का ही परिणाम है। वह संपूर्ण आत्म-समर्पण है। उसके मंदिर में तुम परीक्षक बनकर नहीं, उपासक बनकर ही वरदान पा सकते हो। 10

5. (e) और यह राजधानी ! जहाँ सब अपना है, अपने देश का है ..... पर कुछ भी अपना नहीं है, अपने देश का नहीं है । तमाम सड़कें हैं, जिन पर वह जा सकता है, लेकिन वे सड़कें कहीं नहीं पहुँचाती । उन सड़कों के किनारे घर हैं, बस्तियाँ हैं पर किसी भी घर में वह नहीं जा सकता । 10

6. (a) " 'भारत दुर्दशा' नाटक में व्यंग्य को एक जबरदस्त हथियार के रूप में इस्तेमाल किया गया है ।" स्पष्ट कीजिए । 20

6. (b) " 'दिव्या' ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में व्यक्ति और समाज की प्रवृत्ति और गति का चित्र है ।" इस कथन का आलोचनात्मक विवेचन कीजिए । 15

6. (c) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी द्वारा रचित निबंध 'कुटज' का तात्त्विक विवेचन कीजिए । 15

7. (a) 'कविता क्या है' निबंध के आधार पर कविता के संबंध में निबंधकार के विचारों का विवेचन कीजिए । 20

7. (b) 'प्रसाद के नाटक भारत के इतिहास का पुनर्निर्माण करते हैं ।' 'स्कंदगुप्त' नाटक के संदर्भ में इस कथन की व्याख्या कीजिए । 15

7. (c) 'मैला आँचल' के आधार पर उपन्यासकार की जीवनदृष्टि का परिचय दीजिए । 15

8. (a) " 'आषाढ़ का एक दिन' का कालिदास दुर्बल नहीं है; कोमल, अस्थिर और अंतर्द्वंद्व से पीड़ित है ।" इस कथन की सप्रमाण संपुष्टि कीजिए । 20

8. (b) " 'गोदान' भारतीय कृषि जीवन का ज्वलंत दस्तावेज़ है ।" इस कथन की सोदाहरण समीक्षा कीजिए । 15

8. (c) 'भोलाराम का जीव' के माध्यम से हरिशंकर परसाई की व्यंग्य चेतना पर प्रकाश डालिए । 15